

 ज्ञान शांति मैत्री	महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) जनसंपर्क कार्यालय PUBLIC RELATIONS OFFICE	 आज़ादी का अमृत महोत्सव
---	---	---

हिंदी विश्वविद्यालय में 'वृद्धों के कल्याण, सशक्तिकरण एवं सुरक्षा का देशज दृष्टिकोण' विषय पर संगोष्ठी का समापन

वृद्धों का मानसिक सशक्तिकरण जरूरी : डॉ. अतुल वैद्य

वर्धा, 20 मार्च 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के वर्धा समाज कार्य संस्थान की ओर से राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुदानित 'वृद्धों के कल्याण, सशक्तिकरण एवं सुरक्षा का देशज दृष्टिकोण' विषय पर दो दिवसीय (19 एवं 20 मार्च) क्षेत्रीय संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम में



बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर के निदेशक डॉ. अतुल वैद्य ने कहा कि वृद्धों के कल्याण के लिए उनका मानसिक सशक्तिकरण जरूरी है। उन्हें देशज तरीके से सशक्त बनाने की दिशा में नीति बनायी जानी चाहिए। मित्र, परिवार और पड़ोसियों के साथ निरंतर संवाद ही वृद्धों को सहारा देने में सहायक साबित हो

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्धा समाजकार्य संस्थान के निदेशक एवं संगोष्ठी के संयोजक प्रो. बंशीधर पाण्डेय ने की।

संगोष्ठी का समापन बुधवार, 20 मार्च को कस्तूरबा सभागार में किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट वक्ता के रूप में अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, संगोष्ठी के सह-संयोजक एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. के बालराजु मंच पर उपस्थित थे।

प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कविता 'माँ की याद' का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें वृद्धों के आंचल और आशीर्वाद हमेशा आवश्यक होता है। हमें उनके साथ संवेदनशीलता के साथ बर्ताव करना चाहिए।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. बंशीधर पाण्डेय ने कहा कि भारत में वृद्धजनों की संख्या लगभग 14 करोड़ है। उनके कल्याण के लिए सभी को मिलकर संरचनात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में काम करने की आवश्यकता है। साहित्य व भाषा



का विश्वविद्यालय होने के नाते हमारी जिम्मेदारी अधिक है। संगोष्ठी का प्रतिवेदन डॉ. के. बालराजु ने प्रस्तुत करते हुए बताया कि संगोष्ठी में महाराष्ट्र सहित दस राज्यों से 175 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। वक्ता और प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर अपने वक्तव्य एवं शोध पत्र प्रस्तुत किये। समापन कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी के सह-संयोजक, सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी ने किया तथा सह-संयोजक, सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल ने आभार माना। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अध्यापक, प्रतिभागी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालयात 'वृद्धांचे कल्याण, सशक्तिकरण आणि सुरक्षेचा स्वदेशी दृष्टीकोण' या विषयावर
परिसंवादाचा समारोप

वृद्धांचे मानसिक सशक्तिकरण करण्याची गरज : डॉ. अतुल वैद्य

वर्धा, 20 मार्च 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील वर्धा समाज कार्य संस्थानच्या वतीने राष्ट्रीय सामाजिक संरक्षण संस्था, सामाजिक न्याय आणि सक्षमीकरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारे अनुदानित 'वृद्धांचे कल्याण, सशक्तिकरण आणि सुरक्षेचा स्वदेशी दृष्टीकोण' या विषयावर दोन दिवसीय (19 व 20 मार्च) परिसंवादाचा समारोप बुधवारी करण्यात आला.

या प्रसंगी मुख्य अतिथी म्हणून संबोधित करतांना राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्था नागपूर येथील निदेशक डॉ. अतुल वैद्य म्हणाले की वृद्धांच्या कल्याणाकरिता त्यांचे मानसिक सशक्तिकरण करण्याची गरज आहे. त्यांना भारतीय पद्धतीचा अवलंब करत सशक्त बनविण्यासाठी कल्याणकारी धोरणे तयार केली पाहिजेत. मित्र, कुटुंब आणि शेजारी यांच्याशी निरंतर संवादाच्या मदतीने वृद्धांचे आयुष्य सुखकर केले जाऊ शकते असेही ते म्हणाले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी वर्धा समाजकार्य संस्थेचे निदेशक व परिसंवादाचे संयोजक प्रो. बंशीधर पांडे होते.

परिसंवादाचा समारोप बुधवार, 20 मार्च रोजी कस्तूरबा सभागृहात करण्यात आला. यावेळी विशिष्ट वक्ता म्हणून अनुवाद व निर्वचन विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, परिसंवादाचे सह-संयोजक एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. के बालराजु मंचावर उपस्थित होते.

प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांनी सर्वेश्वर दयाल सक्सेना यांच्या 'माँ की याद' या कवितेचा उल्लेख केला. ते म्हणाले की आम्हाला वृद्धांची छाया आणि आशीर्वाद नेहमी आवश्यक असतो. त्यांच्यासोबत आम्हाला त्यांच्याबरोबर संवेदनशीलतेने वागले पाहिजे असेही ते म्हणाले.

अध्यक्षीय भाषणात प्रो. बंशीधर पांडे म्हणाले की भारतात वृद्धजनांची संख्या जवळपास 14 कोटी आहे. त्यांच्या कल्याणासाठी सर्वांनी मिळून संरचनात्मक परिवर्तन घडवून आणण्याचे काम केले पाहिजे. साहित्य व भाषेचे विश्वविद्यालय असल्याने आपली जबाबदारी मोठी आहे. परिसंवादाचा लेखाजोखा सादर करतांना डॉ. के. बालराजु म्हणाले की महाराष्ट्रासह दहा राज्यांमधील 175 हून अधिक प्रतिनिधी परिसंवादात सहभागी झाले. वक्ता व प्रतिनिधींनी विविध विषयांवर आपली मते मांडली व शोधनिबंध सादर केले. कार्यक्रमाचे संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी यांनी केले तर सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाचा समारोप राष्ट्रगीताने करण्यात आला. याप्रसंगी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अध्यापक, प्रतिनिधी, शोधार्थी, विद्यार्थी तसेच मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमांचे पत्रकार मोठ्या संख्येने हजर होते.